# हिन्दी दिवस पर संदेश

कंचन देवी, भा.वा.से.
महानिदेशक
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्,
देहरादून

प्रिय भा.वा.अ.शि.प. परिजनों!

आप सभी को हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा की हार्दिक शुभकामनाएं!

हिंदी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक विरासत की महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है। यह भाषा देश के विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के बीच संवाद एवं समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिंदी का विकास केवल एक भाषा का विकास नहीं, बल्कि हमारी विविधतापूर्ण भारतीय संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने का माध्यम है।

हिंदी दिवस हमें अपनी मातृभाषा के सम्मान और उसके अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें राजभाषा हिंदी के संवैधानिक महत्व के साथ-साथ इसके व्यापक और प्रभावी प्रयोग के प्रति जागरूक करता है।

वर्तमान समय में प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और संचार के क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। डिजिटल युग में हिंदी के लिए नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। सूचना एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से हिंदी की पहुँच देश-विदेश में व्यापक हुई हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिक तकनीक और नवाचार के साथ हिंदी को जोड़ते हुए इसे ज्ञान, प्रशासन और जनसंचार की अधिक प्रभावी भाषा बनाएँ।

राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग सरल, सहज, स्पष्ट और जनसुलभ होना चाहिए। सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद को और प्रभावी बनाता है। इसके साथ ही, भारत की सभी भाषाओं और बोलियों के प्रति समान सम्मान बनाए रखना हमारी भाषायी विविधता की मूल भावना है। हिंदी का विकास अन्य भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय और सहयोग से होगा।

भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय सहित समस्त संस्थानों एवं केन्द्रों में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु प्रतिवर्ष सितंबर माह में हिंदी दिवस/ सप्ताह/ पखवाड़ा बड़े उत्साह से मनाया जाता है। इस दौरान राजभाषा हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। आशा है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आप सभी आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे और इन आयोजनों को सफल बनाएँगे।

आइए, इस हिंदी दिवस पर हम सभी यह संकल्प लें कि अपने दैनिक जीवन और कार्यक्षेत्र में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करेंगे। हम हिंदी की सरलता, गरिमा और वैज्ञानिक क्षमता को समझते हुए इसके विकास में सक्रिय योगदान देंगे तथा देश की सभी भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना को बनाए रखेंगे।

हिंदी हमारी विरासत भी है और भविष्य की संभावनाओं की भाषा भी। इसके निरंतर विकास और प्रतिष्ठा के लिए सामूहिक प्रयास ही हमारी सच्ची प्रतिबद्धता होगी।

**हिंदी दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं!**

**देहरादून**
**14 सितंबर 2026**

कंचन
**(कंचन देवी)**